H B. M. COLLEGE
GOLMURI, JSR-3 (2nd YEAR)

MODEL SET - 1 (INTERMEDIATE AR

ECONOMICS — CH. - 1

OBJECTIVE TYPE QUESTIONS

1. "An Enquiry in to the nature and causes of wealth of nations" के लेखक कौन है?
(The author of the book entitled "An Enquiry in to the nature and causes of wealth of nations")

2. अर्थशास्त्र की कल्याण संबंधी विचारधारा किसने दी?
(Welfare definition of economics was given by)

3. अर्थशास्त्र के पिता किसे कहा जाता है?
(Who is known as the father of economics?)

4. आर्थिक क्रिया क्या है? (What is an Economic activity)

5. "अर्थशास्त्र एक आदर्शवादी विज्ञान है।" किसने कहा?
(Who regards economics a normative Science)

6. "MICRO" शब्द पहली बार प्रयोग किया गया?
(The word micro firstly used by?)

7. सूक्ष्म अर्थशास्त्र के अध्ययन का विषय है?
(The subject of study of micro-economics is?)

8. किनके अनुसार अर्थशास्त्र वास्तविक विज्ञान है?
(According to whom - Economics is a positive Science?)

SHORT TYPE QUESTIONS

9. अर्थशास्त्र को परिभाषित करें? (Define Economics)?

10. उत्पादन को परिभाषित करें? (Define Production)?

11. व्यष्टिगत अर्थशास्त्र क्या है? (what is Micro-Economics)?

12. विनिमय से क्या समझते हैं? (what is meant by Exchange

13. समष्टि अर्थशास्त्र की विशेषताएँ बताइए? Mention the characteristics of Macro-Economics)?

LONG TYPE QUESTIONS

14. यथार्थवादी अर्थशास्त्र और आदर्शवादी अर्थशास्त्र में अन्तर State the differences between positive economics and normative Economics?

15. व्यष्टि अर्थशास्त्र और समष्टिगत अर्थशास्त्र में अन्तर बताइए Distinguish between Micro-Economics and Macro-Economics!

~~2001~~

ANSWER - MODEL SET - 1
ECONOMICS

OBJECTIVE TYPE

1. एडम स्मिथ (Adam Smith)

2. मार्शल (Marshall)

3. एडम स्मिथ

4. आर्थिक क्रिया :- वे सभी क्रियाएँ जिनसे आय की प्राप्ति तथा मानवीय आवश्यकताओं की संतुष्टि होती है।

5. मार्शल (Marshall)

6. रैगनर फ्रिश (Ragner Frish)

7. मांग एवं मांग का सिद्धांत, उपभोग का सिद्धांत, उत्पादन का सिद्धांत, कीमत निर्धारण का सिद्धांत।

8. रॉबिन्स (Robbins) के अनुसार "अर्थशास्त्र एक वास्तविक विज्ञान है।"

SHORT TYPE Q/ANS

9. अर्थशास्त्र असीमित साध्यों के संदर्भ में सीमित संसाधनों के आवंटन तथा आय, उत्पादन, रोजगार एवं आर्थिक विकास के निर्धारकों का अध्ययन करता है।

एडम स्मिथ के अनुसार — "अर्थशास्त्र राष्ट्र के धन की प्रकृति तथा कारणों की खोज है।"

10. उत्पादन :— किसी वस्तु या सेवा की उपयोगिता में वृद्धि करना ताकि मानवीय आवश्यकता की संतुष्टि हो सके, उत्पादन कहलाता है।
अतः उपयोगिता का सृजन करना ही उत्पादन है। उत्पादन के प्रमुख पाँच साधन निम्नलिखित हैं—

(a) भूमि (Land)
(b) श्रम (Labour)
(c) पूँजी (Capital)
(d) संगठन (Organisation)
(e) साहस (Enterprise)

11. व्यष्टिगत अर्थशास्त्र (Micro Economics) — व्यष्टि अर्थशास्त्र में एक फर्म, एक परिवार, व्यक्तिगत कीमत, मजदूरी, आय, उद्योग तथा वस्तु का अध्ययन किया जाता है।
अंग्रेजी भाषा के MICRO शब्द की उत्पत्ति ग्रीक भाषा के MIKROS से हुई है जिसका अर्थ है- छोटा।
अतः व्यष्टि अर्थशास्त्र में अर्थव्यवस्था [redacted]

2001 के छोटे भागों (व्यक्तिगत आर्थिक इकाइयों) का अध्ययन किया जाता है जैसे - परिवार, फर्म, उपभोक्ता, उत्पादक आदि।

12. विनिमय — विनिमय का सम्बन्ध वस्तुओं एवं सेवाओं के क्रय विक्रय से होता है।
(Exchange) वस्तुओं का क्रय - विक्रय वर्तमान में मुद्रा के द्वारा किया जाता है।

विनिमय के दो रूप हैं —

(a) वस्तु विनिमय (Barter System)
(b) मौद्रिक विनिमय (Money Exchange)

जब मुद्रा का प्रचलन नहीं था तब वस्तु विनिमय प्रणाली प्रयोग की जाती थी वस्तुओं के क्रय विक्रय के लिए। मुद्रा के प्रचलन ने मौद्रिक विनिमय प्रणाली को लाया तथा वर्तमान में यही विनिमय की प्रणाली अपनायी जाती है।

13. अर्थशास्त्र को अध्ययन के दृष्टिकोण से दो भागों में बाँटा गया है —

(a) व्यष्टि अर्थशास्त्र (b) समष्टि अर्थशास्त्र

समष्टि अर्थशास्त्र अंग्रेजी भाषा के MACRO शब्द की उत्पत्ति ग्रीक भाषा के शब्द MACROS से हुई है जिसका अर्थ - बड़ा या व्यापक।

समष्टि अर्थशास्त्र में कुल माँग, कुल पूर्ति, कुल उत्पादन, राष्ट्रीय आय, कुल उपभोग, कुल रोजगार आदि का अध्ययन किया जाता है।

(a)
(B)
(c)

समष्टि अर्थशास्त्र की विशेषताएँ –

(a) समष्टि इकाइयों का अध्ययन — इसमें राष्ट्रीय आय, कुल माँग, कुल पूर्ति, मुद्रा स्फीति,
(Study of Macro Units)
सामान्य कीमत स्तर आदि सम्मिलित किए जाते हैं।

(b) समष्टि उपकरणों का उपयोग — इनमें राजकोषीय नीति, बैंकिंग नीति,
(Uses of Macro Tools) मौद्रिक नीति, राष्ट्रीय आय नीति, रोजगार नीति आदि का उपयोग किया जाता है।

(c) व्यापक चरों का उपयोग — व्यापक चरों का अर्थ उन चरों से है जो
(Uses of General Variables) सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था का प्रतिनिधित्व करते हैं।

यथार्थवादी एवं आदर्शवादी अर्थशास्त्र में अन्तर
(Differences between Positive & Normative Economics)

आधार	यथार्थवादी अर्थशास्त्र	आदर्शवादी अर्थशास्त्र
1. अर्थ	इसमें इस विषय का अध्ययन किया जाता है कि वस्तु स्थिति या घटना 'क्या है ?'	इसमें इस विषय का अध्ययन किया जाता है कि वस्तुस्थिति 'क्या होनी चाहिए?'
2. सत्यापन	इसे वास्तविक आंकड़ों से सत्यापित किया जाता है।	इसे वास्तविक आँकड़ों के आधार पर सत्यापि नहीं किया जा सकता है।
3. सुझावात्मक	यह सुझावात्मक या परामर्शदाता के रूप में अर्थशास्त्र की व्याख्या नहीं करता है। यह तथ्यों पर आधारित नहीं होता है।	यह सुझावात्मक एवं परामर्शदाता के रूप अर्थशास्त्र का अध्ययन है।
4. साध्य से सम्बन्ध	यह साध्यों के प्रति उदासीन है।	इसका सम्बन्ध साध्यों से है।
5. मूल्यपरक विश्लेषण	यह तथ्य आधारित विश्लेषण है।	यह मूल्य वर्द्धित विश्लेषण है।
6. उद्देश्य	इसका उद्देश्य आर्थिक क्रियाओं एवं आर्थिक समस्याओं का वास्तविक व्याख्या करना है।	इसका उद्देश्य आर्थिक क्रियाओं तथा समस्या का उचित मानदण्ड स्थापित करना है।

व्यष्टिगत तथा समष्टिगत अर्थशास्त्र में अन्तर
(DIFFERENCES BETWEEN MICRO AND MACRO ECONOMICS)

व्यष्टि एवं समष्टि अर्थशास्त्र में आपसी निर्भरता होने के बावजूद भी दोनों में कुछ अन्तर भी होते हैं, जिनका वर्णन निम्न है–

आधार	व्यष्टिगत अर्थशास्त्र	समष्टिगत अर्थशास्त्र
1. अर्थ	यह अर्थशास्त्र की वह शाखा है जो व्यक्तिगत आर्थिक मुद्दों; जैसे माँग, पूर्ति, कीमत, उपभोक्ता, फर्म आदि का अध्ययन करता है।	यह अर्थशास्त्र की वह शाखा है जो अर्थव्यवस्था के विभिन्न आर्थिक समूहों का अध्ययन करता है; जैसे–राष्ट्रीय आय, रोजगार स्तर, कुल माँग, कुल पूर्ति, सामान्य कीमत आदि।
2. क्षेत्र	एक क्षेत्र एक व्यक्ति, एक बाजार, एक फर्म आदि तक सीमित होता है।	इसका क्षेत्र व्यापक होता है जो सम्पूर्ण देश या अर्थव्यवस्था होता है।
3. उद्देश्य	इसका उद्देश्य संसाधनों के कुशल विभाजन से सम्बन्धित सिद्धान्तों, समस्याओं व नीतियों का अध्ययन करना है।	इसका उद्देश्य संसाधनों के पूर्ण रोजगार तथा उनके विकास से सम्बन्धित सिद्धान्तों, समस्याओं तथा नीतियों आदि का अध्ययन है।
4. विकास	इसका विकास समष्टि अर्थशास्त्र से पहले हुआ था।	अर्थशास्त्र की इस शाखा का विकास कीन्स की पुस्तक 'The General Theory of Employment, Interest and Money' के प्रकाशन के उपरांत हुआ।
5. उपकरण	इस अर्थशास्त्र का मुख्य उपकरण माँग एवं पूर्ति है।	इसका मुख्य उपकरण समग्र माँग एवं समग्र पूर्ति है।
6. अन्य नाम	व्यष्टि अर्थशास्त्र की समस्याओं का जनक एवं हल कीमत है, इसलिए इसे कीमत सिद्धान्त (Price Theory) भी कहते हैं।	समष्टि अर्थशास्त्र की समस्याओं का जनक एवं समापन समग्र अर्थव्यवस्था की आय है अतः इसे आय का सिद्धान्त (Theory of Income) भी कहते हैं।
7. सम्बन्धित विचार	माँग पूर्ति, बाजार के स्वरूप आदि व्यष्टिगत अर्थशास्त्र के विचार हैं।	कुल माँग, कुल पूर्ति, राष्ट्रीय आय आदि समष्टिगत अर्थशास्त्र के विचार हैं।
8. जटिलता सरलता	इसका विश्लेषण अपेक्षाकृत सरल है।	इसका विश्लेषण अत्यन्त जटिल है।